



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(अक्षाधारण)

हिमालच प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 8 फरवरी, 2002/19 माघ, 1923

भावकारी एवं कराधान विभाग

प्रधिसूचना

शिमला-171002, 31 जनवरी, 2002

संख्या ई0 एक्स0 एन0-एफ0(9) 1/97.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है :

भत: हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल केन्द्रीय विकय कर प्रधिनियम, 1956 (1956 का केन्द्रीय प्रधिनियम संख्या 74) की धारा 8 की उप-धारा (5) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 27 जुलाई, 1999 के राजपत, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में प्रकाशित इस विभाग की ग्रिधसूचना संख्या ई0 एक्स0 एन0-एफ0 (9) 2/99 तारीख 23 जुलाई, 1999 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिसूचना कहा गया है) में तुरन्त प्रभाव से निम्नलिखित संशोधन करने का निदेश देते हैं; ग्रर्थात् :—

(i) उक्त ग्रिधसूचना के पैरा-2 में, परन्तुक [तारीख 24 जुलाई, 2001 के राजपन्न, हिमाचल प्रदेश (ग्रसाधारण) में प्रकाशित संशोधन ग्रिधसूचना संख्या ई0 एक्स0 एन0-एक0 (9) 1/97 तारीख 20 जुलाई, 2001 द्वारा जोड़ा गया] के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा; अर्थात् :—

"परन्तु राजपत्र में इस संशोधन बिधसूचना के प्रकाशन की तारीख पर या के पश्चात्, दि भारत संचार निगम लिमिटेड या दि महानगर टैलीफोन निगम लिमिटेड प्रथवा दि विदेश

2998-राजपव/2002-8-2 2002-- 1,766.

(4021)

मृल्य : 1 रुपया ।

4022 बसाधारण राजात, हिमाचल प्रदेग, 8 फरवरी, 2002/19 माव, 1923

संचार निगम लिमिटेड को, ग्रन्तर्राज्यिक व्यापार ग्रथवा वाणिज्य के ग्रनुकम में किए गए विकय करने के करार के भ्रनुसरण में, दूरसचार में उपयोग के लिए विनिर्मित भ्रीर विकीत माल की

बावत, उपरोक्त ग्रधिनियम की धारा 8 की उप-धारा (2) के ग्रधीन उद्गग्राहय भीर संदेय कर 31-3-2009 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए ऐसे माल के कराधिय ग्रार्वत के दो प्रतिशत की दर पर संगणित ग्रीर संदन किया जाएगा:

परम्तु यह ग्रीर कि राजपत्न में इस संशोधन श्रिधसूचना के प्रकाशन की तारीख से पूर्व, दि भारत संचार निगम लिमिटेड, दि महानगर टैलीफोर्न निगम लिमिटेड मीर दि विदेश संचार निगम लिमिटेड को, प्रन्तराज्यिक व्यापार ग्रथवा वाणिज्य के ग्रनुक्रम में किए गए विकय करने के करार के भनुसरण में, दूरसंचार में उपयोग के लिए विनिर्मित भीर विक्रीत माल की बाबत उपरोक्त मधिनियम की धारा 8 की उप-धारा (2) के मधीन उद्देशाहय भीर संदेय कर, ऐसे माल के कराधेय आवैत के चार प्रतिशत, बारह प्रतिशत श्रीर बारह प्रतिशत कमश: की दर पर

संगणित भीर संदत्त किया जाएगा.": ग्रीर (ii) पैरा 4 के उप-पैरा (ii) के परन्त्क ग्रीर उससे संलग्न प्ररूप "ग ग" में "दि भारत संचार रि निगम लिमिटेड" मौर "बी 0 एस 0 एन 0 एल 0" शब्दों, प्रक्षरों भौर चिन्हों के स्थान पर "दि भारत संचार निगम लिमिटेड/दि महानगर टैलीकोन निगम लिमिटेड/दि विदेश संचार निगम लिमिटेड" शब्द श्रीर चिन्ह रखे जाएंगे।

हस्ताक्षरित/-आयुक्त एवं सचिव । [Authoritative Eiglish text of this department notification No. EXN-F (9) 1/97 dated 31-1-2002, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

आदेश द्वारा.

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 31st January, 2002

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

No. EXN-F (9) 1/97.—Whereas the Governor of Himachal Pradesh is satisfied that it is necessary in public interest to do so:-

Now therefore in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (5) of

section 8 of the Central Sales Tax Act, 1956 (Central Act No. 74 of 1956), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to direct that in this department notification No. EXN-F (9) 2.99 dated the 23rd July, 1999 (hereinafter called the said notification) published in Rajpatra Himachal Pradesh (Extra ordinary) dated 27th July, 1999, the following amendments

shall be made with immediate effect, namely (i) in para 2 of the said notification, for the proviso [added by amendment notification No. EXN-F (9) 1/97 dated the 20th July, 2001, published in Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra Ordinary) dated 24th July, 2001], the following provisos shall be substituted, namely :-

"Provided that in respect of goods manufactured and sold for use in telecommunications, in pursuance of agreement to sell, entered into on or after the date of publication of this amendment notification in the Official Gazette, in the

course of inter-state trade or commerce to the Bharat Sanchar Nigam Ltd., or the Mahanagar Telephone Nigam Ltd., or the Videsh Sanchar Nigam Ltd., the tax leviable and payable under sub-section (2) of section 8 of the aforesaid Act shall be calculated and payable at the rate of 2% of the taxable turnover of such goods for the period ending 31st March, 2009;

Provided further that in respect of the goods manufactured and sold for use in telecommunications, in pursuance of agreements to sell, entered into before the date of publication of this amendment notification in the Official Gazette, in the course of inter-state or commerce to the Bharat Sanchar Nigam Ltd., the Mahanagar Telephone Nigam Ltd. and the Videsh Sanchar Nigam Ltd., the tax leviable and payable under sub-section (2) of section 8 of the said Act shall be respectively calculated and payable at the rate of 4%, 12% and 12% of the taxable turnover of such goods,"; and

(ii) In the proviso to sub-para (ii) of para 4 and the Form 'CC' appended thereto for the words, letters and signs "the Bharat Sanchar Nigam Limited" and "B. S. N. L.", the words and signs "the Bharat Sanchar Nigam Limited/the Mahanagar Telephone Nigam Limited/the Videsh Sanchar Nigam Limited shall be substituted.

By order,
Sd/Commissioner-cum-Secretary.